शनिवार
02 मार्च 2024

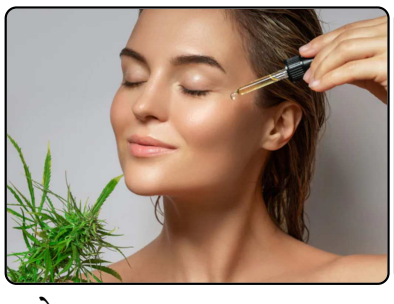

पृष्ठ 4

मॉइस्चराइजर और फेस सीरम, कौन सा है आपके चेहरे के लिए बेस्ट चॉइस

पृष्ठ 5

कृति सैनन, तब्बू और करीना कपूर की तिकड़ी मचाएगी धमाल

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 37
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है।

– हितोपदेश

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बेरोजगारों ने किया मुख्यमंत्री आवास कूच

संवाददाता

देहरादून। बेरोजगार युवकों ने मुख्यमंत्री आवास कूच किया जिनको पुलिस ने सुभाष रोड पर बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद उन्होने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां भारी संख्या में बेरोजगार युवक परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने उत्तराखण्ड बेरोजगार संघ के बैनर तले मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच किया। जब वह सुभाष रोड पर पहुंचे तो पुलिस ने उनको बैरकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद वह वहीं

पर धरने पर बैठ गये। धरने के पश्चात उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में विभिन्न विभागों में 65 हजार पद रिक्त चल रहे हैं तथा मुख्यमंत्री व उनके विभागीय मंत्रियों द्वारा विभिन्न मंचों से रिक्त पदों पर विज्ञापन जारी करने की बातें कही गयी किन्तु आगामी 10 मार्च से आचार संहिता लागू होने में बहुत कम समय शेष है लेकिन उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग एवं अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नये विज्ञापन जारी नहीं किये जा रहे हैं तथा जिन भर्ती परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम लम्बित है जारी नहीं किये जा रहे है साथ ही जिन भर्ती परीक्षाओं के अंतिम परिणाम जारी किए गये हैं उन्हें नियुक्तियां का इंतजार करना पड रहा है। उनका कहना था कि धांधली की भेंट चढी समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं की तत्काल सीबीआई जांच की संस्तुति की जाए तथा उत्तराखण्ड पुलिस कांस्टेबल के 387 पदों पर वेटिंग लिस्ट जारी की जाए। उनका कहा था कि उम्र सीमा बढाकर उत्तराखण्ड पुलिस कांस्टेबल के 1550 पदों पर तत्काल विज्ञापन जारी करें तथा सभी बहुल संवर्ग भर्ती परीक्षाओं में प्रतीक्षा सूची जारी की जाये। इसके साथ ही प्राथमिक शिक्षक, सहायक अध्यापक, व्यायाम शिक्षक, प्रवक्ता एवं पॉलीटेक्निक प्रवक्ता के पदों पर तत्काल

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

राधा रतूड़ी सीएस बनी रहेंगी, छह माह का सेवा विस्तार मंजूर

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी आने वाले 6 माह तक अपने पद पर बनी रहेगी। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्र सरकार से उनके कार्यकाल को 6 माह बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

राधा रतूड़ी ने अभी विगत 1 फरवरी को मुख्य सचिव का पदभार संभाला था मुख्य सचिव गुरमीत सिंह के सेवानिवृत्ति के बाद मुख्य सचिव का पद भार संभालने वाली राधा रतूड़ी राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव है, लेकिन उनका सेवा कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त होने वाला था। उनके इस पद पर

●31 मार्च को होना था सेवानिवृत्त
●धामी के अनुरोध से बढ़ा सेवा काल

नियुक्ति के बाद से ही इस बात की संभावना जताई जा रही थी कि उनकी सेवाकाल विस्तारित किया जा सकता है। वैसे भी मुख्य सचिव जैसे अहम पद पर सेवा के लिए दो माह की सेवा काल को सम्मानजनक नहीं समझा जा सकता है इसके अतिरिक्त एक अन्य अहम और बड़ा कारण यह भी है कि उनकी सेवा अवधि 31 मार्च को पूरी हो

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अयोध्या की तरह काशी और मथुरा को भी उनका हक मिलेगा: उमा भारती

अयोध्या। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है। इस बीच अब भाजपा नेता उमा भारती ने काशी और मथुरा को लेकर एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की तरह काशी और मथुरा को भी उनका हक मिलेगा। इस बार कोई आंदोलन नहीं होगा क्योंकि अयोध्या में सबूत खोदने पड़े थे, लेकिन काशी और मथुरा में खुदाई की जरूरत नहीं है। सबूत मौजूद है। मुसलमानों को अदालत में जाने का अधिकार है। वे अदालत द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे अयोध्या हुआ वैसे ही काशी और मथुरा हो जाएगा। उमा भारती ने कहा कि अयोध्या में खुदाई के बाद प्रमाण मिला था। लेकिन काशी और मथुरा में खुदाई के बगैर प्रमाण मिले हैं। इसलिए कोर्ट प्रमाणों के आधार पर जो निर्णय देगा, उस निर्णय को हम मानेंगे। लेकिन हमारी आस्था रहेगी कि उस स्थान पर मंदिर का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि इस देश का मुसलमान हिंदू के बराबर ही कानून का अधिकार रखता है। उन्हें कोर्ट जाने का अधिकार है। लेकिन फिर कोर्ट जो फैसला सुनाए वह उन्हें स्वीकार होना चाहिए।

टीएमसी का अर्थ 'तू, मैं और करप्शन': पीएम मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि टीएमसी का अर्थ है- तू, मैं और करप्शन (भ्रष्टाचार)। नादिया जिले के कृष्णानगर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते मोदी ने भाजपा की राज्य इकाई के लिए पश्चिम बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने यहां शविजय संकल्प सभाश में उनके समर्थकों की भीड़ से कहा, आप सब को इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्र देखकर मुझे यह कहने का आत्मविश्वास मिल रहा है कि राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार, 400 पार। पीएम ने कहा, टीएमसी

अत्याचार, वंशवाद की राजनीति और विश्वासघात का पर्याय है। पश्चिम बंगाल के लोग राज्य सरकार के कामकाज के तरीके से निराश हैं। उन्होंने संदेशखालि की घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र की परेशान माताओं और बहनों का समर्थन करने के बजाय राज्य सरकार ने आरोपियों का पक्ष लिया। संदेशखालि में महिलाओं ने कुछ तृणमूल नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। पीएम ने कहा, माताएं-बहनें न्याय की गुहार लगाती रहीं, लेकिन टीएमसी सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी। उन्होंने मां माटी मानुष के नाम पर वोट लिए लेकिन अब पश्चिम बंगाल में माताएं-बहनें रो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस तरह से टीएमसी यहां काम कर रही है, उसने पश्चिम बंगाल के लोगों को निराश किया है। लोगों ने लगातार टीएमसी को वोट दिया है। लेकिन यह पार्टी अत्याचार और विश्वासघात का दूसरा नाम बन गई है। बंगाल में टीएमसी के लिए प्राथमिकता विकास नहीं है। लेकिन भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और विश्वासघात, भ्रष्टाचार टीएमसी बंगाल के लोगों को गरीब बनाए रखना चाहती है ताकि उनकी राजनीति चलती रहे, उनका खेल चलता रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनता की बेकली के मायने क्या है?

बीते 10 सालों से केंद्रीय सत्ता पर काबिज नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी भले ही देश में आल इज वैल बताकर देश के लोगों को विकसित भारत का सपना दिखा रहे हो तथा उनके द्वारा अबकी बार 400 पार का नारा लगाया जा रहा हो लेकिन 10 साल तक आंखें मूंद कर मोदी और भाजपा पर भरोसा जताने वाली जनता के अंदर एक अजीब सी बेचैनी है। 2024 के चुनाव से एन पूर्व देश के जनमानस के मन की इस बेचैनी का अंदाज थोड़ा बहुत अब भाजपा और उसके नेताओं को भी हो चला है। इंडिया गठबंधन के बिखराव और राम मंदिर निर्माण के जिस मुद्दे के बीच भाजपा को अपनी जीत की हैट्रिक बहुत आसान लग रही है अब वह आसान नहीं रही है। क्योंकि टूटते-टूटते भी इंडिया गठबंधन चुनाव की घोषणा से पूर्व एक आकार ले चुका है और उसके नेता अब जनता के बीच जाकर देश की जनता को यह बताने में और समझने में कामयाब होते दिख रहे हैं कि भाजपा ने 10 सालों में सिर्फ शगुफेबाजी की है अच्छे दिन लाने, युवाओं को 2 करोड़ हर साल रोजगार देने और महंगाई से निजात दिलाने का वायदा कर उन पर जीएसटी थोप कर तथा नोटबंदी कर किस तरह धोखा दिया है। किस तरह से देश में दल बदल और तोड़फोड़ कर जनादेश का चीर हरण किया गया है। और जाति धर्म की राजनीति को बढ़ावा देकर समाज में आपसी भाईचारे को समाप्त किया है तमाम मुद्दों पर जनता को झकझोरने का काम किया जा रहा है उससे आम जनता में हलचल पैदा हो गई है। राहुल गांधी की सामाजिक न्याय यात्रा में स्वस्पूर्ति उमड़ती भीड़ इस बेचैनी की गवाही दे रही है। जिस अमेठी की जनता ने पिछली बार राहुल की सीट पर स्मृति ईरानी को बैठा दिया था उसी अमेठी की जनता अब उन्हें ललकार रही है कि अगर स्मृति में दम है तो अमेठी से चुनाव लड़कर दिखाएं। बीते समय में मेयर (चंडीगढ़) के चुनाव और इलेक्टोरल बांड पर आये फैसलों ने भाजपा की नीतियों पर जो सवाल खड़े किए वह भी भाजपा को बड़ा झटका साबित हुआ। वही हिमाचल में कांग्रेस की निर्वाचित सरकार को गिराने का षड्यंत्र तथा किसान आंदोलन और भर्तियों के पर्चे लीक मामलों ने भी भाजपा को बैक फुट पर लाकर खड़ा कर दिया है। युवाओं और किसानों की नाराजगी के बीच जीएसटी से परेशान व्यापारी तथा महंगाई से परेशान महिलाओं के मन में क्या चल रहा है अब इसे भाजपा नेता समझ भी जाएं तब भी उनके पास कुछ करने का समय शेष नहीं बचा है। हिंदू मुस्लिम और राष्ट्रवाद तथा विकसित भारत व मंदिर मस्जिद और ओबीसी की बात भाजपा को कितने के पार ले जाएगी इसका पता 2024 के चुनाव में चलेगा।

पॉलिसी की किश्त जमा कराने के नाम पर ठगे 92 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। लाईफ पॉलिसी की किश्त जमा कराने के नाम पर 92 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अठूरवाला भानियावाला निवासी नागेश्वर प्रसाद भटट ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने एचडीएफसी लाईफ प्रीमियम पॉलिसी ली हुयी है जिसका प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये भुगतान होता है।

13 फरवरी को उसको कॉल आई और अपने आप को एचडीएफसी लाइफ पॉलिसी का कर्मचारी बताया और कहा उसकी पॉलिसी की किश्त जमा नहीं है। उक्त नम्बर से उसको 14 फरवरी और 15 फरवरी को भी कॉल आई और कहा कि आपने अपनी पॉलिसी की किस्त अभी तक नही भरी है। और वह आज ही अपनी किस्त एकाउंट नम्बर में तुरन्त जमा कीजिये, जिसकी बातो में आकर उसने अपने पुत्र विकास भट्ट के अकाउंट एचडीएफसी बैक से 15 फरवरी को 92025 रूपये उक्त अकांउट में डलवा दिये। जब उसको कुछ दिनो बाद फिर से किश्त जमा ना होने का मैकेज आया तो उसने पता किया, जानकारी करने पर पता चला कि उसकी किश्त अभी भी पैडिंग है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एष स्य ते मधुमाँ इन्द्र सोमो वृषा वृष्णे परि पवित्रे अक्षाः।
सहस्रसाः शतसा भूरिदावा शश्वत्तमं बर्हिरा वाज्यस्थात्।।

(ऋग्वेद ९-८७-४)

हे मनुष्य ! परमात्मा के आनंद रस का अनुभव तुम अपने हृदय रूपी कलश में करो। परमात्मा तो सैकड़ो नहीं हजारों गुणों के धन के प्रदाता हैं बल्कि वे तो अनगिनत गुणों के धन के प्रदाता हैं। वे सर्वज्ञ हैं और सभी स्थानों पर विद्यमान है।

सवालः युवती को बाघ उठा ले गया या दरिंदे?

❑युवती के कपड़े जंगल से बरामद
❑कपड़ों पर नहीं मिला खून का निशान
❑शव भी नहीं हो सका अब तक बरामद

विशेष संवाददाता

नैनीताल। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर स्थित फगोट क्षेत्र के गांव बगड़ तल्ला से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता 22 वर्षीय युवती को अभी तक तलाश नहीं किया जा सका है। कल शाम से लापता इस लड़की की तलाश में जंगल की खाक छान रहे ग्रामीणों व वन कर्मियों ने युवती के कपड़े और उसके मोबाइल का कवर तो तलाश कर लिया है लेकिन लड़की का अब तक कुछ भी पता नहीं चल सका है। जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं।

खास बात यह है कि जंगल में जहां लड़की के कपड़े मिले हैं वहां आसपास या उसके कपड़ों पर खून का एक भी निशान नहीं मिला है और न ही लड़की का मोबाइल फोन ही मिल सका है। हां उसके मोबाइल का कवर जरूर मिल चुका है। लोगों का कहना है कि अगर लड़की को कोई जंगली जानवर उठाकर ले जाता तो लड़की के कपड़ों पर खून के निशान जरूर होते। लोगों को इस बात की भी आशंका है कि कहीं दरिंदों ने लड़की का अपहरण तो नहीं कर लिया है।

ग्रामीणों में इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं और तमाम तरह की आशंकाएं जताई जा रही है। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि एक 22 वर्षीय युवती को अगर कोई जंगली जानवर उठाकर ले जाता तो वह अधिक दूर तक उसे नहीं ले जा सकता था जहां उसके कपड़े मिले हैं वहीं उसके आसपास 100-200 मीटर की दूरी पर लड़की का शव भी मिल जाना चाहिए था।

उधर डीएम वंदना सिंह का कहना है कि उन्होंने डीएफओ चंद्रशेखर को लड़की को तलाश करने को कहा है उसे तलाश किया जा रहा है। जिस समय यह घटना हुई घर में लड़की के माता-पिता भी नहीं थे। और न ही किसी ने लड़की पर हमला करते किसी जंगली जानवर को देखा है। संदिग्ध स्थिति में लापता युवती कहां गई यह रहस्य अभी भी बना हुआ है तथा लड़की के कपड़े व चप्पल बरामद होने और शव बरामद न होने के कारण आशंकाएं पैदा होना भी स्वाभाविक है। जब तक वन कर्मियों या पुलिस को उसका शव या उसे जिंदा तलाश नहीं कर लिया जाता तब तक इस रहस्य से पर्दा नहीं उठ पाएगा। लेकिन इस घटना से क्षेत्र वासियों में दहशत का माहौल जरूर बना हुआ है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने इण्टर कालेज हरिपुर कलां के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 70 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम विष्णु थापा पुत्र राम बहादुर थापा निवासी हरिपुर कलां बताया। वहीं डोईवाला पुलिस ने फन वैली के पास से एक को 63 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज पुत्र कन्हैया निवासी हरिपुर कलां बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राज्य आंदोलनकारियों ने दी पूर्व राज्यपाल को श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। राज्य आंदोलनकारियों ने पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

आज यहां शहीद स्थल में पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। शहीद स्थल में सभी राज्य आंदोलनकारी ने 2 मिनट का मौन रखा परिषद के प्रवक्ता चिंतन सकलानी ने कहां की उन्होंने अपने कार्यकाल में जनता की सच्चे दिल से बहुत सेवा की उनका योगदान नहीं भुलाया जा सकता। उनका उत्तराखंड के लिए सराहनीय योगदान रहा उन्होंने अपने कार्यकाल में कई कार्य जनता के हित में किये जनता उनके इस सामाजिक कार्य को नहीं भूल पाएगी। श्रद्धांजलि देने वालों में प्रवक्ता चिंतन सकलानी, प्रदेश अध्यक्ष विपुल नौटियाल, जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, परिषद महिला अध्यक्ष निशा मस्ताना, आंदोलनकारी लक्ष्मी मलासी आदि लोग शामिल थे।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजनाः नरेंद्र नगर महाविद्यालय को मिले तीन रिसर्च प्रोजेक्ट्स

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए संचालित मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना में धर्मानंद राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर के तीन प्रोफेसर शोधार्थियों की शोध परियोजनाएं उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड शासन द्वारा स्वीकृत की गई है।

स्वीकृत शोध प्रस्तावों में मनोविज्ञान विभाग से डॉ0 सपना कश्यप पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से डॉ0 सृचना सचदेवा तथा पर्यटन अध्ययन विभाग से डॉ0 विजय प्रकाश भट्ट की शोध परियोजनाओं को शोध विशेषज्ञों के निर्णायक मंडल ने दो चरणों के सम्यक मूल्यांकन के बाद स्वीकृत किया हैं। महाविद्यालय के पर्यटन अध्ययन विभाग से आदि कैलाश परिक्षेत्र में समुदाय आधारित सतत पर्यटन विकासष पर कार्य किए जाने के लिए डॉ विजय प्रकाश भट्ट को रु 6,53,750/- का अनुदान स्वीकृत हुआ है। वहीं पत्रकारिता विभाग की डॉ सृचना सचदेवा को ष्द इंपैक्ट ऑफ मिसइनफॉरमेशन एंड फेक न्यूज स्प्रेड थ्रू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स रूरल पापुलेशन इन उत्तराखंड के लिए रु 8,16,075/- की अनुदान राशि तथा मनोविज्ञान विभाग की डॉ0 सपना कश्यप द्वारा प्रस्तुत शोध परियोजना ष्कैरियर रेडीनेस थ्रू डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऑफ गवर्नमेन्ट स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ उत्तराखंड एट द टाइम ऑफ ट्रांजीशन के लिए रु 4,05,000/- स्वीकृत किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों से शोध प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। जिसमें 485 प्राध्यापकों द्वारा शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये थे, राज्य शोध एवं विकास प्रकोष्ठ तथा चयन एवं मूल्यांकन समिति की व्यापक चयन प्रक्रिया के उपरांत प्रदेश भर के 44 शोध प्रस्तावों पर स्वीकृति की अंतिम मोहर लग पाई है जिसमें अकेले धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय, नरेंद्रनगर के तीन शोध प्रस्तावों को स्वीकृति मिली है। शोध प्रकोष्ठ द्वारा प्राध्यापक शोधार्थियों को 50 प्रतिशत अनुदान राशि की पहली किस्त जारी की जा चुकी है।

नैक प्रत्यायन में बी प्लस मिलने के बाद यह पहला अवसर है जब महाविद्यालय के लिए शोध प्रस्ताव स्वीकृत किए गए हैं, जिसे एक नई शुरुआत की पहली उपलब्धि माना जा रहा है। महाविद्यालय से तीन शोध प्रस्तावों की स्वीकृत मिलने पर प्राचार्य प्रोफेसर आर के उभान, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। यह जानकारी कॉलेज मीडिया प्रभारी डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल ने दी है।

नींद में बिस्तर गीला करता है बच्चा तो करें ये उपाय

आपका बच्चा भी क्या रात में सोते वक्त बिस्तर गीला कर देता है? अगर हां, तो इस समस्या से निजात पाने के लिए कुछ प्रयास करने होंगे। बाल रोग विशेषज्ञ की मानें तो यह आदत बच्चों को विरासत में मिलती है यानी मातापिता में से किसी को भी बचपन में अगर यह समस्या थी तो बच्चों में इस समस्या के होने की आशंका 5 प्रतिशत तक बढ़ जाती है, वहीं जिन बच्चों के मातापिता बचपन में बिस्तर गीला नहीं करते थे, उनमें इस समस्या के होने की आशंका मात्र 15 प्रतिशत होती है। इस समस्या से छुटकारा दिलवाने के लिए कुछ छोटेमोटे प्रयास कारगर साबित हो सकते हैं।

सोने जाने से पहले बच्चे के तरल पदार्थ पर किया गया नियंत्रण आपके लिए खासा कारगर हो सकता है। ऐसा करने के लिए आप बच्चे के शरीर की पानी की जरूरत को समय के हिसाब से बांट दें ताकि पानी की कमी न होने पाए। पानी की जरूरत का लगभग 4 फीसदी पानी या तरल पदार्थ सुबह और 4 फीसदी दोपहर में दें। शाम के लिए 2 फीसदी ही रखें। साथ ही सोने जाने के दो घंटे पहले से ही तरल पदार्थ का सेवन बंद करवा दें। रात का खाना भी जल्दी खिला दें।

रात के वक्तकुछ चीजों से परहेज करना होगा ताकि बच्चे के पेशाब थैली पर असर न पड़े । ऐसे करना राहत पहुंचाएगा। इस लिस्ट में सबसे पहले आता है, कैफीन यानी चॉकलेट वाले दूध और कोको से दूरी बनाए रखनी है। साथ ही आर्टिफिशियल फ्लेवर, रंग खासतौर पर लाल रंग, खट्टे फ्लों के रस व मिठाई आदि से भी इस वक्त बच्चे को दूर ही रखें। बच्चा रात में बिस्तर गीला करता है तो इससे बचने के लिए अलार्म थैरेपी का सहारा लें। इसके लिए आपको उसके दिन में पेशाब करने का औसत निकालना होगा। वह जितने घंटे के अंतराल में पेशाब करता है, उसके हिसाब से अलार्म लगाएं और रात में उतने अंतराल पर बच्चे को पेशाब करवाएं। ऐसा करने से उसका बिस्तर भी गीला नहीं होगा, साथ ही उसकी आदत में भी सुधार होगा। आपको कुछ समय तक लगातार यह तरीका अपनाना होगा।

बिस्तर गीला होने पर बच्चे को डांटने के बजाय बच्चे से कहें कि अगर वो रात में बिस्तर गीला नहीं करेगा तो उसे बदले में तारीफ, उपहार आदि मिलेगा। जानकारों की मानें तो 25 फीसदी मामलों में यह तरीका कारगर साबित होता है। यूं तो रात में बच्चों का बिस्तर गीला कर देना आम समस्या है। पर कुछ लक्षण ऐसे भी हैं जिन पर आपकी पैनी नजर जरूरी है ताकि आप बच्चे को आने वाली समस्याओं से बचा सकें।

अगर आपका बच्चा एकदम से बिस्तर गीला करना शुरू कर दे और यह सिलसिला लंबे समय तक जारी रहे तो यह खतरे की घंटी हो सकती है। बच्चे का खर्राटा लेना, अधिक खानापीना, पेशाब में जलन, पैरों और एड़ी में सूजन, सात साल या उससे अधिक होने पर भी बिस्तर का गीला करना आदि तमाम ऐसे लक्षण हैं, जिसमें बिना देरी किए डॉक्टरी सलाह लेना बेहद जरूरी है। बिस्तर पर पेशाब करने वाले बच्चों में आर्जीनीन वैसोप्रेसिन हार्मोन का स्तर नींद में नीचे चला जाता है, जो किडनी के द्वारा मूत्र निर्माण की प्रक्रिया को तेज कर देता है। नींद में इस हार्मोन का स्तर नीचे चला जाता है, इसलिए मूत्र निर्माण की गति बढ़ जाती है और मूत्राशय तेजी से भर जाता है। पांच साल की उम्र तक करीब 85 फीसदी बच्चे पेशाब पर नियंत्रण करना सीख जाते हैं।

लड़कियों की तुलना में लड़कों में 12 साल की उम्र तक बिस्तर गीला करने की प्रवृत्ति ज्यादा होती है। इसी के साथ कुछ शारीरिक परेशानियों की वजह से भी बच्चे नींद में बिस्तर गीला करते हैं।

बच्चे ऐसे होंगे खुश

सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे हमेशा खुश रहें। मां-बाप बच्चों को हर खुशी देने के लिए रात-दिन काम करते है पर कई बार काम के कारण वे बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते। जिस वजह से बच्चे उनसे दूर हो जाते हैं और अवसाद तक के शिकार हो जाते हैं। अगर आप अपने बच्चों को खुश रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाएं।

तारीफकरें

आपका बच्चा अगर कोई अच्छा काम करता है तो उसकी तारीफकरें। इससे वो खुश भी होगा और आगे और भी अच्छा काम करने की कोशिश करेगा।

बच्चों के साथ खेलें

काम में व्यस्त होने के कारण अभीभावक बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में जब भी आपको काम से समय मिले अपने बच्चों के साथ समय बिताएं। इससे बच्चे आपके करीब आएंगे।

खुद खुश रहें

कई लोग ऑफिस का तनाव घर पर ले आते है। इससे घर का माहौल खराब होता है। इसलिए ऑफिस का गुस्सा और तनाव घर पर न लाएं। जब भी घर आएं खुश होकर ही आएं। आपके चेहरे की खुशी उनको भी खुश कर देगी।

बच्चों की बातों पर दें ध्यान

अगर आपका बच्चा आपसे कोई बात करता है तो उसकी बात को ध्यान से सुने और समझें। उनकी जरुरतों को आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता इसलिए उनकी बातों पर ध्यान दें और उन्हें पूरा करें।

आभार व्यक्त करें

बच्चों को सिखाएं कि अगर कोई आपकी मदद करता है तो उसे धन्यवाद जरुर करें।

आम और स्ट्रॉबेरी से बनाएं इम्यूनिटी पावर ड्रिंक

रोगों से बचने के लिए हमारी इम्यूनिटी मजबूत होनी चाहिए। हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता से सर्दी, जुखाम और कई गंभीर बीमारियों से भी हमारा शरीर बच जाता है। कोरोना वायरस का असर भी उन लोगों पर ज्यादा हो रहा है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। इसलिए आपको अपनी डाइट में ऐसा खाना शामिल करना चाहिए जिससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत हो। हेल्दी डाइट (ड्ढद्गड्डद्यह्लद्ध4 ष्ठद्बद्गह्ल), एक्सरसाइज (श्व×द्गह्म्ष्द्बह्यद्ग) और योग (ङ्खशद्दड्ड) रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर है। आज हम आपको ऐसे इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जिनसे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी।

आप इस ड्रिंक्स को घर पर भी आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए आपको आम और स्ट्रॉबेरी की जरूरत पड़ेगी। गर्मियों के मौसम में ये फल आसानी से मार्केट में मिल जाते हैं। आप इन्हें खा सकते हैं इसके अलावा इनसे आप इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक भी बना सकते हैं।

आम और स्ट्रॉबेरी से बनाएं इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक

सबसे पहले आम को छील कर उसका गूदा निकाल लें। अब स्ट्रॉबेरी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब दोनों को एक कप पानी डालकर जूसर जार में कम से कम 5 मिनट तक मिक्स करें। कई लोग इस तरह बनी स्मूदी पीना भी पसंद करते हैं। स्मूदी में आप किशमिश या फिर अपना पसंदीदा कई भी ड्राई फरूट काटकर डाल सकते हैं। आपका पावरफुल इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक तैयार है। आप इसे नाश्ते या फिर शाम को स्नैक्स के वक्त भी पी सकते हैं। घर में आने वाले मेहमानों के लिए भी आप ये ड्रिंक तैयार कर सकते हैं।

आम और स्ट्रॉबेरी के फायदे

आजकल हर कोई इम्यूनिटी को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में सीजनल आम और स्ट्रॉबेरी से अच्छा ऑप्शन कुछ नहीं है। ये दोनों फल आपकी सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं। गर्मियों में आम और स्ट्रॉबेरी से बना ड्रिंक आपके शरीर को ठंडक पहुंचाता है। इसे पीने से आप लंबे समय तक एनर्जेटिक महसूस करेंगे। आम और स्ट्रॉबेरी में एंटी ऑक्सीडेंट की भरपूर गुण पाए जाते हैं। इससे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसके अलावा आम और स्ट्रॉबेरी विटामिन सी का भी अच्छा सोर्स है। आप पूरी गर्मियों में आम और स्ट्रॉबेरी से बने इस तरह के ड्रिंक या स्मूदी पी सकते हैं। इससे आपकी रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी।

आलू न खाने से क्या-क्या फायदे होंगे

आलू सब्जियों का राजा कहा जाता है। हमारे किचन में आलू की खास जगह है। आलू से कई चीजें बनाई जाती है। बहुत से लोग आलू को पसंद करते हैं। इसके कई फायदे भी हैं। हालांकि, आलू खाने से कई नुकसान भी हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर हम सिर्फ एक महीने के लिए आलू खाना छोड़ दें तो शरीर में कई जबरदस्त बदलाव आ जाएंगे। इससे सेहत अच्छी हो जाएगी। ऐसे में आइए जानते हैं आलू न खाने से क्या-क्या फायदे होंगे।।।

वजन कंट्रोल होगा

आलू में जबरदस्त एनर्जी पाई जाती है। इससे शरीर को अच्छी मात्रा में कैलोरी मिलती है। आलू बनाने में आमतौर पर ज्यादा तेल का उपयोग किया जाता है। ऐसे में अगर आलू खाना सिर्फ एक महीने के लिए ही छोड़ दिया जाए तो वजन कंट्रोल हो सकता है।

ब्लड शुगर होगा कंट्रोल

आलू का स्टार्च ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकता है। इसलिए जब हम इसे खाना छोड़ देते हैं तो ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। डायबिटीज मरीजों को आलू के सेवन से बचना चाहिए। इससे उन्हें कई फायदे हो सकते हैं।

हाई बीपी और हार्ट डिजीज का खतरा

आलू से बने प्रॉसेस्ड फूड, चिप्स और फ्रेंच फ्राइज़ में अक्सर नकम यानी सोडियम ज्यादा डाला जाता है। जिसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीद का जोखिम रहता है। इसलिए आलू न खाने से इन गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं।

आलू की बजाय दूसरे पोषक तत्व अपनाएं

आलू में विटामिन सी और विटामिन बी6 के साथ पोटैशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप आलू खाना छोड़ना चाहते हैं तो इसकी जगह शकरकंद को अपने आहार का हिस्सा बना सकते हैं। आप चाहें तो फूलगोभी, शलजम या केले का सेवन भी कर सकते हैं।(आरएनएस)

गुस्से के लिए ये हार्मोंस होता है जिम्मेदार, जानें कैसे कर सकते हैं कंट्रोल

गुस्सा एक ऐसी भावना है जो हर किसी के जीवन में कभी न कभी आती हैकभी छोटी-छोटी बातों पर, तो कभी बड़ी समस्याओं के कारण,हम खुद को गुस्से के जाल में पाते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर गुस्सा क्यों आता है? वास्तव में, हमारे शरीर में कुछ हार्मोन होते हैं जो हमारे गुस्से के लिए जिम्मेदार होते हैं। हम उन हार्मोन्स के बारे में जानेंगे और आइए यह भी जानते हैं कि हम अपने गुस्से को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

जब भी हमें गुस्सा आता है, तो इसके पीछे हमारे शरीर के दो मुख्य हार्मोन, एड्रेनालिन और कोर्टिसोल, का बड़ा हाथ होता है। सोचिए, जब आपको किसी बात पर बहुत ज्यादा तनाव महसूस होता है या फिर आप किसी मुश्किल स्थिति में होते हैं, तो ऐसे में आपका शरीर इन हार्मोन्स को छोड़ता है। एड्रेनालिन और कोर्टिसोल के इस रिलीज होने से आपकी धड?न तेज हो जाती है, मांसपेशियों में तनाव आ जाता है, और फिर आपको गुस्सा आने लगता है। जब भी आपको गुस्सा आए, गहरी और धीमी सांस लेने की कोशिश करें। इससे आपका दिमाग शांत होगा और आप बेहतर सोच पाएंगे। क्योंकि गुस्सा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए, जब भी आपको लगे कि गुस्सा आपके काबू से बाहर हो रहा है तो आप गहरी सांस लें।

* व्यायाम करें= नियमित रूप से व्यायाम करने से न केवल आपका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि यह तनाव को भी कम करता है और आपको अधिक शांत रखता है।

* समस्या की जड़ तक पहुंचें= अक्सर, गुस्से का कारण कुछ और होता है। इसलिए, अपने आप से पूछें कि आपको वास्तव में क्या परेशान कर रहा है और उस समस्या का समाधान खोजने की कोशिश करें। ध्यान और योग= ध्यान और योग के अभ्यास से आपका मन शांत होता है और आप अपने भावनाओं को बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं। इससे हम अपने गुस्से और दूसरी भावनाओं पर आसानी से काबू पा सकते हैं। इस तरह से अगर गुस्सा आए तो हम आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं।

भारत की रूस चिंता

विदेश मंत्री जयशंकर के हालिया भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। वे ऐसा रुख ना अपनाएं, जिससे रूस ज्यादा से ज्यादा चीन के करीब चला जाए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते एक जर्मन अखबार को दिए इंटरव्यू में पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया। कहा कि मॉस्को ने कभी भी भारत के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच हमेशा स्थिर और दोस्ताना संबंध रहे हैं। ये बात जयशंकर ने ठीक उस समय कही, जब रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत से पश्चिमी देश भड? हुए थे। साथ ही यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरा होने वाले थे।

इस मौके पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर पांच सौ नए प्रतिबंध लगाने का एलान किया, जिसके दायरे में रूस से कारोबार करने वाली कुछ भारतीय कंपनियां भी आ गई हैं। उसी माहौल के बीच नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी देशों को चाहिए कि वे दरवाजे बंद करने के बजाय रूस को अधिक विकल्प उपलब्ध कराएं, ताकि वह चीन के ज्यादा करीब ना चला जाए।

विदेश मंत्री ने यहां चीन के खिलाफ अपनी नाराजगी फिर जताई। कहा कि चीन को 'माइंड गेम' खेलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए, जो अन्य देशों को सहभागियों के साथ मिलकर काम करने से रोकना चाहता है। निहितार्थ यह कि चूंकि भारत ने अमेरिका के साथ सहभागिता बनाई है, इसलिए चीन ने भारत के खिलाफ सख्त रुख अपना रखा है। वह चाहता है कि भारत अमेरिका से दूरी बनाए, तब वह 2020 में सीमा पर बने गतिरोध को दूर करने पर राजी होगा।

जयशंकर के इन भाषणों से भारत की यह इच्छा जाहिर होती है कि पश्चिमी देश भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपनी नीतियों को ढालें। संभवत: भारत सरकार की समझ यह है कि अमेरिका की चीन विरोधी रणनीति में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए वह पश्चिमी नीति को प्रभावित कर सकने की स्थिति में है। मगर असल में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। निज्जर और पन्नू मुद्दों के बाद तो स्थितियां और प्रतिकूल हो गई हैं। ऐसे में रूस भले भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हो, लेकिन उस वजह से पश्चिम की सोच ढलेगी, इसकी न्यूनतम संभावना ही है। (आरएनएस)

हताश युवा क्या करें?

भारत सरकार ने मान लिया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए रूसी सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। इस प्रकरण में उठा मुख्य मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय नौजवान कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं?

भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की सेना ने कई भारतीय युवाओं की भर्ती की है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ऐसे कम-से-कम 100 भारतीय नौजवान रूसी सेना में नौकरी कर रहे हैं। उनमें से कम-से-कम तीन को रूस ने मोर्चे पर तैनात किया है। यानी वे रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे हैं।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह संभवत: पहला मौका है, जब भारतीयों के सामूहिक रूप से भाड़े के सैनिक बनने की खबर आई है। सामने आईं जानकारियों के मुताबिक रूस की सेना ने दुबई के जरिए इन भारतीयों को अनुबंधित किया। रूस के गए नौजवानों के परिजनों का दावा है कि इन लोगों की नियुक्ति रूसी सेना की सहायता के लिए की गई थी, लेकिन यूक्रेन सीमा के पास ले जाकर उन्हें बताया गया कि उन्हें लड़ाई भी लडनी है। मुद्दा उछलने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इन भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार रूस की सेना के साथ संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध से अपने आपको दूर रखें। लेकिन यह सलाह बेमतलब है। जब ये नौजवान रूस चले गए, तब वहां के हालात उनके अपने हाथ में नहीं होंगे। इसलिए विचारणीय प्रश्न यह है कि आखिर भारतीय नौजवान विदेशों में कहीं भी, कैसा भी काम पाने के लिए इतने व्यग्र क्यों हैं? आखिर खुद भारत सरकार ने युद्ध-ग्रस्त इजराइल में मेहनत-मजदूरी करने के लिए हजारों युवाओं को भेजने का करार किया है।

वहां जाने के लिए जुटी भीड़ में शामिल नौजावनों ने मीडिया से कहा था कि उन्हें इजराइल जाने का जोखिम मालूम है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'यहां भूखों मरने से बेहतर वहां काम करते हुए मरना है।' असल मुद्दा युवाओं में समा गई यही मायूसी है। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा में जो नजारा दिखा है, उससे आसानी से समझा जा सकता है कि ऐसी हताशा क्यों पैदा हो रही है। अगर यह स्थिति आज सार्वजनिक विमर्श में सर्व-मुख्य मुद्दा नहीं है, तो रूस गए नौजवानों की तमाम चिंताएं निरर्थक समझी जाएंगी। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मॉइस्चराइजर और फेस सीरम, कौन सा है आपके चेहरे के लिए बेस्ट चॉइस

आजकल बाजार में इतने सारे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स हैं कि समझ नहीं आता कौन सा चुनें। हर प्रोडक्ट कहता है कि वो सबसे अच्छा है, लेकिन सच में कौन हमारी त्वचा के लिए सही है? इतने विकल्पों में से सही चुनाव करना आसान नही है। हमें अपनी त्वचा की जरूरतों को पहले समझना होगा और फिर उसके हिसाब से ही प्रोडक्ट चुनना होगा। इसके लिए थोड़ी रिसर्च और समझदारी की जरूरत होती है ताकि हम अपनी त्वचा का अच्छे से ख्याल रख सकें।

जब बात चेहरे की देखभाल की होती है तो दो चीजें बहुत जरूरी होती हैं। मॉइस्चराइजर और फेस सीरम। लेकिन कई बार हमें इन दोनों के बीच का अंतर समझ नहीं आता, और न ही यह पता होता है कि हमारे लिए क्या बेहतर है। आइए आज समझते हैं कि आपके चेहरे के लिए क्या बेहतर है और कब किसका इस्तेमाल करें।

मॉइस्चराइजर कब यूज करें

मॉइस्चराइजर एक तरह की क्रीम होती है जो आपके चेहरे को नमी देती है और उसे मुलायम बनाए रखती है। यह आपकी त्वचा को ड्राई होने से बचाती है। मॉइस्चराइजर में अक्सर ऐसे तत्व होते हैं जो आपके चेहरे की त्वचा को पानी और अन्य नमी देने वाले घटकों से भर देते हैं।

फेस सीरम क्या है

वहीं, फेस सीरम थोड़ा अलग होता है। यह हल्का होता है और इसमें त्वचा की गहराई में जाकर काम करने वाले ज्यादा सक्रिय तत्व होते हैं। सीरम खास त्वचा की समस्याओं जैसे कि झुर्रियां, डार्क स्पॉट्स या फिर त्वचा की रूखापन जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

दोनों में से कौन बेहतर है आपके लिए

अगर आप अपने चेहरे को सिर्फ नरम और तरोताजा रखना चाहते हैं, तो मॉइस्चराइजर आपके लिए बिल्कुल सही है। मॉइस्चराइजर वो क्रीम होती है जो आपकी त्वचा को गहराई से नमी देती है और उसे मुलायम बनाए रखती है। यह आपकी त्वचा को सूखने से बचाती है और उसे हेल्दी रखती है। वहीं, अगर आपके चेहरे पर कुछ खास त्वचा संबंधी समस्याएं हैं जैसे कि झुर्रियाँ, दाग-धब्बे या फिर रूखापन, और आप इन्हें सुधारना चाहते हैं, तो फेस सीरम आपके लिए ज्यादा फायदेमंद होगा। फेस सीरम एक लाइट लिक्विड होता है जिसमें बहुत सारे एक्टिव इंग्रेडिएंट्स होते हैं जो त्वचा की गहराई में जाकर काम करते हैं और उसे बेहतर बनाते हैं।

दोनों का इस्तेमाल कैसे करें

बहुत से लोग अपनी त्वचा की देखभाल के लिए मॉइस्चराइजर और फेस सीरम दोनों का उपयोग करते हैं। इससे उनकी त्वचा को दोहरा फायदा मिलता है। पहले फेस सीरम लगाने से त्वचा की गहराई में मौजूद समस्याओं को ठीक किया जा सकता है, और फिर मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा को ऊपर से नमी मिलती है। इस तरह, आपकी त्वचा स्वस्थ और खूबसूरत दोनों रहती है। तो, अगर आप अपनी त्वचा की अच्छी देखभाल करना चाहते हैं, तो इस तरीके को जरूर अपनाएं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -90

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्‌भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

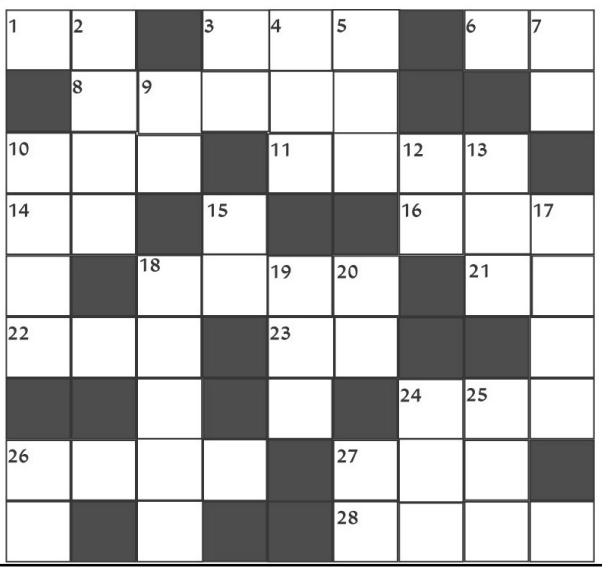

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

बॉक्स ऑफिस पर आर्टिकल 370 की कमाई में वीकेंड पर आया उछाल

सिनेमाघरों में इस हफ्ते 2 फिल्मों के बीच भिड़ंत देखने को मिली। एक ओर यामी गौतम अपनी फिल्म आर्टिकल 370 लेकर आईं तो विद्युत जामवाल की एक्शन से भरपूर स्पोर्ट्स ड्रामा क्रैक रिलीज हुई।पहले दिन विद्युत की फिल्म को मात देने के बाद यामी की आर्टिकल 370 अब दूसरे दिन भी अपनी पकड़ बनाए हुए हैं और इसकी कमाई में उछाल देखने को मिला है।आइए जानते हैं कि शनिवार को किस फिल्म ने कितनी कमाई की है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी फिल्म आर्टिकल 370 जम्मू-कश्मीर से हटाई गई धारा 370 की कहानी दिखाई गई है।फिल्म ने पहले दिन 5.9 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था तो अब

दूसरे दिन इसकी कमाई में बढ़त देखने को मिली है।

शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने शनिवार को 7.5 करोड़ रुपये कमाए हैं और अब इसकी कुल कमाई 13.4 करोड़ रुपये हो गई है।

यामी की आर्टिकल 370 ने इस साल की सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्मों में भी तीसरे स्थान पाया है।इससे पहले 2024 की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्मों में ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर (24 करोड़ रुपये) और शाहिद कपूर की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (6.5 करोड़ रुपये) शामिल हैं।इसके अलावा आर्टिकल 370 ने 3.55 करोड़ के साथ पहले दिन शुरुआत करने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स को भी पीछे छोड़ दिया है।

विद्युत, अर्जुन रामपाल, एमी जैक्सन और नोरा फतेही जैसे सितारों से सजी फिल्म क्रैक में जबरदस्त एक्शन देखने को मिला है।आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 4.25 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की थी तो दूसरे दिन इसकी कमाई को झटका लगा है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के कारोबार में शनिवार को गिरावट आई और इसने 2.15 करोड़ रुपये कमाए हैं। ऐसे में 2 दिन में इसका कारोबार 6.4 करोड़ रुपये हुआ है।

शाहिद और कृति सैनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने वैलेंटाइन वीक के दौरान सिनेमाघरों में दस्तक दी थी।यह रोबोट और एक इंसान के बीच की प्रेम कहानी है, जिसकी कमाई में तीसरे हफ्ते में फिर से बढ़त देखने को मिल रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 12वें दिन 2.3 करोड़ रुपये कमाए हैं और इसका कुल कारोबार 70.8 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म दुनियाभर में अभी तक 120.8 करोड़ रुपये कमा चुकी है। (आरएनएस)

सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा का नया पोस्टर जारी, ट्रेलर रिलीज डेट का भी हुआ एलान

सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा लिखित और निर्देशित इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक योद्धा सिद्धार्थ मल्होत्रा की एक्शन से भरपूर फिल्म है। एक बार फिर फैंस अपने पसंदीदा स्टार को कमांडो की भूमिका में देखने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म के टीजर में पहले ही सिद्धार्थ मल्होत्रा का एक्शन देखने को मिल चुका है। अब लोग इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में मेकर्स ने भी देरी न करते हुए इसके ट्रेलर रिलीज की डेट का एलान कर दिया है।

योद्धा के कलाकारों और निर्माताओं ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी कमांडो वर्दी में शक्ति और तीव्रता का प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके हाथों में एक बंदूक है और पीठ पर एक वॉकी-टॉकी बंधा हुआ है।

घावों और धूल से सने सिद्धार्थ का पोस्टर में जबरदस्त लुक देखने को मिल रहा है। पोस्टर पर एक टैगलाइन भी है, जिसमें लिखा है सीमाओं से परे एक अपहरण। पोस्टर शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा है, अपनी सीट बेल्ट बांध लें। योद्धा का ट्रेलर 4 दिन में आ जाएगा। इसके मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर 29 फरवरी को रिलीज होने वाला है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर योद्धा का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे हैं। इस फिल्म में एक बार फिर सिद्धार्थ आर्मी ऑफिसर के किरदार में दिखाई देने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ लीड रोल में राशि खन्ना और दिशा पाटनी दिखाई देने वाली हैं।

इस मूवी का निर्देशन पुष्कर ओझा और सागर अंब्रे ने किया है। वहीं, करण जौहर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। यह मूवी आने वाली 15 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। (आरएनएस)

कृति सैनन, तब्बू और करीना कपूर की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेत्री कृति सैनन, तब्बू और करीना कपूर की तकड़ी अपनी फिल्म क्रू के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चा में बनी हुई थी तो हाल ही में जारी हुई तीनों अभिनेत्रियों की पहली झलक ने प्रशंसकों को उत्सुक कर दिया था। इसी सबके बीच अब क्रू का कॉमेडी से भरपूर टीजर भी जारी हो गया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

फिल्म के निर्माताओं की ओर से क्रू का टीजर जारी किया गया है, जिसमें तीनों अभिनेत्रियों कमाल की लग रही हैं।इसके साथ ही लिखा है, कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, क्योंकि यहां का तापमान आपके लिए बहुत गर्म होने वाला है।फिल्म का निर्देशन राजेश ए कृष्णन कर रहे हैं तो एकता कपूर, शोभा कपूर, रिया कपूर और अनिल कपूर इसके निर्माता हैं। इस फिल्म के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क साथ आए हैं।

टीजर काफी दिलचस्प लग रहा है, जिसमें तीनों अभिनेत्रियों अपनी एयर होस्टेस की नौकरी से परेशान नजर आ रही हैं और कुछ अलग करना चाहती हैं। ऐसे न होने पर तीनों मिलकर चोरी करने की योजना बनाती हैं और फ्लाइट पर अतरंगी हरकतें करने लगती हैं, जिसे देखना मजेदार है।बैकग्राउंड में बजता चोली के पीछे गाने का रीमिक्स शानदार लगता है। इसमें दिलजीत दोसांझ भी नजर आते हैं। इसके अलावा फिल्म में कपिल शर्मा मेहमान की भूमिका में दिखेंगे।

कृति, तब्बू और करीना की तिकड़ी पहली बार इस फिल्म के साथ आई है और यह गुड फ्राइडे के मौके पर 29 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।इससे पहले यह फिल्म 22 मार्च को रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर इसकी रिलीज तारीख को आगे बढ़ा दिया गया। मालूम हो कि रिया और एकता इससे पहले फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग और वीरे दी वेडिंग लेकर आई थीं। ये दोनों ही फिल्में महिलाओं पर आधारित थीं।

कृति की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है, वहीं वह काजोल के साथ फिल्म दो पत्ती में दिखेंगी।

यह कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म होगी।करीना सिंघम अगेन में नजर आएंगी, जो 15 अगस्त को रिलीज होगी। साथ ही वह सैफ अली खान के साथ एक फिल्म करने की तैयारी में हैं।उधर, तब्बू फिल्म औरों में कहां दम था में अजय देवगन के साथ दिखेंगी। (आरएनएस)

माचो स्टार गोपीचंद की फिल्म भीमा 8 मार्च को होगी रिलीज

माचो स्टार गोपीचंद इस बार लोगों की निगाहों में चढने के लिए एक अनोखा एक्शन एंटरटेनर भीमा लेकर आ रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से एक ठोस हिट का इंतजार कर रहे हैं। प्रमोशनल गतिविधियाँ हाल ही में निर्माताओं द्वारा फर्स्ट ऑफर, टीज़र के अनावरण के साथ शुरू हुईं। वीडियो ने बहुत अच्छे दृश्यों के साथ सकारात्मक चर्चा पैदा की, जबकि गोपीचंद को एक क्रूर पुलिस वाले के रूप में पेश किया गया। यह फिल्म लोकप्रिय कन्नड़ निर्देशक ए हर्ष की तेलुगु पहली फिल्म है और श्री सत्य साईं आर्ट्स के बैनर तले केके राधामोहन द्वारा भव्य रूप से निर्मित है। इस बीच, निर्माता गोपीचंद के एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज की तारीख के साथ आए, जिसमें वह पुलिस अवतार में क्रूर दिख रहे थे। भीमा 8 मार्च को महा शिवरात्रि पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रिया भवानी शंकर और मालविका शर्मा फिल्म की प्रमुख महिलाएँ हैं। स्वामी जे गौड़ा सिनेमैटोग्राफी का ध्यान रखते हैं, जबकि संगीत सलार प्रसिद्धि के रवि बसरूर द्वारा प्रदान किया जाता है। रमना वंका प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और थम्मीराजू संपादक हैं। किरण एक ऑनलाइन संपादक हैं, जबकि अज्जू महाकाली संवाद प्रदान करते हैं। फिल्म में लड़ाई की कोरियोग्राफी राम-लक्ष्मण, वेंकट और डॉ. रवि वर्मा ने की है।

सनी लियोन की स्प्लिट्सविला फाइव के होस्ट के रूप में वापसी

अभिनेत्री सनी लियोन उन मशहूर हस्तियों में से एक हैं जो टेलीविजन के साथ-साथ फिल्म उद्योग में भी अपने लिए जगह बनाने में सफल रही हैं। जबकि दर्शक उन्हें ऑन-स्क्रीन पसंद करते हैं। वह सबसे प्रसिद्ध भारतीय डेटिंग शो, स्प्लिट्सविला में एक होस्ट के रूप में लोकप्रिय हो गई हैं। अब, अभिनेत्री शो के नए सीजन की होस्ट के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसे अस्थायी रूप से स्प्लिट्सविला एक्स5 नाम दिया गया है।

सनी, जिन्होंने सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो बिग बॉस के कई सीजन में भाग लिया है और अतिथि के रूप में दिखाई दी हैं, निश्चित रूप से स्प्लिट्सविला एक्स5 में कुछ आकर्षण, लालित्य और ओम्फ फैक्टर लाएँगी। इसके पहले अर्जुन बिजलानी, निखिल चिनप्पा और रणविजय सिंह के रूप में इस शो को ऐसे अभिनेताओं द्वारा सह-होस्ट किया गया था।

अन्य रियलिटी शो होस्टों के विपरीत, सनी को प्रतियोगियों के साथ शांत, संयमित और मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते देखा गया है। दर्शकों ने अक्सर उन्हें अपने सह-मेजबानों के साथ एक अद्भुत बंधन साझा करते हुए भी देखा है। निखिल चिनप्पा ने सनी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए बताया कि अभिनेत्री कैसे सुपर प्रोफेशनल हैं और नकली नहीं हैं। उन्होंने बताया कि कैसे सनी सेट पर दो मिनट लेट होने पर भी लोगों से माफी मांगती हैं।

जहां पिछले सीजन में अर्जुन बिजलानी ने शो की मेजबानी की थी, वहीं तनुज विरवानी को आगामी सीजन में सनी लियोन के साथ रियलिटी शो की सह-मेजबानी के लिए संपर्क किया गया है। यह देखना रोमांचक होगा कि तनुज और सनी की जोड़ी शो, प्रतियोगियों और दर्शकों के लिए कैसा काम करेगा। (आरएनएस)

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन का क्या संदेश ?

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय अधिवेशन भाजपा ने किया, जिसकी चुनावी तैयारियां राउंड द क्लॉक यानी 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलती रहती है। कायदे से मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को इस तरह का अधवेशन करना चाहिए था और साथ ही नए बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की साझा बैठक भी करनी चाहिए थी। लेकिन कांग्रेस के सर्वोच्च नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे हैं और बाकी सहयोगी पार्टियों के साथ कांग्रेस का इतना भी तालमेल नहीं बन पाया है कि विपक्ष के नेता उनकी यात्रा में शामिल हों। सो, मोटे तौर पर विपक्ष की तैयारियां भगवान भरोसे हैं और चुनाव का नैरेटिव भी हालातों पर निर्भर है। ऐसा लग रहा है कि उसे अपनी ओर से चुनाव का कोई नैरेटिव भी सेट नहीं करना है। उसे सिर्फ भाजपा के तय किए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया देनी है। तभी यह जानना अहम है कि भाजपा ने क्या नैरेटिव सेट किया है या दो दिन के राष्ट्रीय अधिवेशन से देश के मतदाताओं और भाजपा के कार्यकर्ताओं को क्या संदेश दिया है। दो दिन के सम्मेलन का सार पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण से मिलता है, जिसे कई पहलुओं से समझा जा सकता है।

पहला, राष्ट्रीय अधिवेशन में राममंदिर पर प्रस्ताव मंजूर किया गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की गई। इस प्रस्ताव में कहा गया कि राममंदिर का निर्माण 'भारत की आध्यात्मिक चेतना का पुनर्जागरण' है और यह 'एक हजार साल के लिए राम राज्य की स्थापना का प्रस्थान बिंदु' है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भाजपा के चुनाव अभियान में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का क्या महत्व है। यह सिर्फ एक मंदिर का मामला नहीं है। भाजपा ने इसे हिंदू पुनरूत्थान से जोड़ा है, जिसका प्रतीक चेहरा नरेंद्र मोदी हैं। अयोध्या का मामला या यह नैरेटिव सिर्फ अयोध्या तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका विस्तार व्यापक है। अयोध्या के बाद प्रधानमंत्री ने मां कामाख्या कॉरिडोर का शिलान्यास किया, अबु धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया और कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास भी किया। पिछले दो महीने के घटनाक्रम का संदेश दूर तक जा रहा है। भाजपा नेता भले हिंदू पुनर्जारगण, पुनरुत्थान या राम राज्य कह रहे हैं, लेकिन व्यापक हिंदू समाज इसे हिंदू राष्ट्र सुन रहा है। उसको लग रहा है कि एक हजार साल के हिंदू राष्ट्र की बुनियाद पड़ रही है और नरेंद्र मोदी इसका माध्यम बन रहे हैं।

दूसरा, इतिहास की ग्रंथियों का मुद्दा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि दशकों से जो काम लंबित थे वो काम उनके कार्यकाल में पूरे हुए हैं। उन्होंने अयोध्या में राममंदिर निर्माण से लेकर जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने, नागरिकता कानून में संशोधन करने, नया संसद भवन बनाने, तीन तलाक पर कानून बनाने, राजपथ को कर्तव्य पथ करने आदि का जिक्र किया। इन्हें सिर्फ सरकार की उपलब्धियों का बखान मानने की गलती नहीं करना चाहिए। ये मुद्दे सामान्य उपलब्धियों की तरह पेश भी नहीं किए गए हैं। ये सब या तो धर्म से जुड़े हैं या राष्ट्रवाद से जुड़े हैं। इनके जरिए भी भाजपा ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की मजबूती का नैरेटिव बनाया है। राममंदिर, नागरिकता कानून, तीन तलाक पर कानून तो सीधे तौर पर धर्म से जुड़े मुद्दे हैं। तो नए संसद भवन का निर्माण गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने के नैरेटिव का हिस्सा है, जिसके साथ और भी कई चीजें जुड़ी हैं, जैसे अंग्रेजों के जमाने के कानूनों को बदलना।

तीसरा, अनुच्छेद 370 खत्म करने के फैसले को अब जाकर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया गया है। सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने, जम्मू कश्मीर का विभाजन करने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला किया था। उसके बाद से इस पर लगभग खामोशी थी। उलटे यह सवाल उठ रहा था कि अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद जम्मू कश्मीर में क्या बदला है? क्या कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास हो रहा है? इस मसले पर करीब साढ़े चार साल की चुप्पी के बाद अब यह बड़ा चुनावी मुद्दा बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके भावनात्मक इस्तेमाल का रोडमैप बनाया है। उन्होंने अनुच्छेद 370 को लोकसभा की 370 सीटों से जोड़ दिया है। वे कह रहे हैं कि उनकी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया तो देश के लोग भाजपा को 370 सीटों का टीका देंगे। ध्यान रहे प्रधानमंत्री मोदी भले अपने मुंह से नहीं कहें लेकिन उनकी पार्टी ने यह नैरेटिव बनाया है कि कश्मीर को आजादी 2019 में मिली है और तभी वह भारत का हिस्सा बना है। याद करें भाजपा के पुराने नारे को- जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है। भाजपा ने यह स्थापित किया है कि कश्मीर पहले हमारा नहीं था। वह 2019 में हमारा हुआ और इसलिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को याद करते हुए देश के लोगों को 370 सीटें भाजपा को देनी चाहिए। इसके जरिए 370 सीट और 50 फीसदी से ज्यादा वोट का लक्ष्य तय हुआ।

चौथा, विपक्ष को देश विरोधी, भ्रष्ट और परिवारवादी बताने के पुराने नैरेटिव को फिर से राष्ट्रीय अधिवेशन में जोर-शोर से उठाया गया और देश भर से आए करीब साढ़े 11 हजार पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं को इसे जनता के बीच ले जाने का संदेश दिया गया। प्रधानमंत्री ने स्वंय कांग्रेस पर हमले की कमान संभाली और कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश का विरोध किया है। सेना की उपलब्धियों पर सवाल उठाए हैं। राफेल की खरीद तक में रोड़ अटकाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने और समाज को तोडने वाली पार्टी है। उन्होंने सीधे तौर पर उत्तर और दक्षिण के विभाजन के नैरेटिव या जाति गणना के मुद्दे को नहीं उठाया लेकिन कांग्रेस को तोडने और बांटने वाली पार्टी बता कर उसकी ओर इशारा किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि विपक्ष में सभी परिवारवादी पार्टियां हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि मोदी के तीसरे कार्यकाल में परिवारवादी पार्टियों का अंत हो जाएगा। यह अपने आप में बहुत मजबूत नैरेटिव है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने इन शब्दों में आगे बढ़ाया कि 'कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए है'।

पांचवां और सबसे बड़ा संदेश मोदी के नेतृत्व, देश के लिए उनकी अनिवार्यता और सत्ता में लौटने की अवश्यंभाविता का है। दो दिन के अधिवेशन में पूरी पार्टी ने मिल कर यह स्थापित किया कि मोदी इकलौते नेता हैं और भाजपा में या भाजपा से बाहर कोई भी नेता उनके मुकाबले का नहीं है। वे सर्वोच्च हैं और सर्वमान्य हैं। मोदी ने खुद अनेक बार अपना नाम लिया, जो हैरान करने वाला था। मनोवैज्ञानिक इसे आत्मविश्वास की कमी बताते हैं तो विपक्ष अति आत्मविश्वास और कुछ हद तक अहंकार मान रहा है। फिर यह बताया गया कि वे देश के लिए क्यों अनिवार्य हैं। यह बताने का प्रयास तो बहुत पहले से चल रहा था लेकिन दो दिन के सम्मेलन में कई तरह से यह बताया गया कि देश अपना पुराना गौरव हासिल करने की ओर बढ़ रहा है तो वह सिर्फ मोदी के कारण हो रहा है। वे हिंदू गौरव लौटाने के लिए काम कर रहे हैं। भारत को फिर से महान बनाने के लिए काम कर रहे हैं और दुनिया भी मानने लगी है कि भारत महानता की ओर बढ़ चला है। इसी के साथ उनकी सत्ता में वापसी की अवश्यंभाविता का नैरेटिव भी बनाया गया। वैसे यह भाजपा का पुराना नारा रहा है कि 'आएगा तो मोदी ही'। इसे साढ़े 11 हजार प्रतिनिधियों के सामने बताने के लिए मोदी ने कहा कि उन्हें दुनिया के देशों की ओर से जुलाई-अगस्त के न्योते मिल रहे हैं, जिसका मतलब है कि दुनिया भी मान रही है कि 'आएगा तो मोदी ही' और अब तो विपक्षी पार्टियां भी मानने लगी हैं कि सत्तारुढ़ गठबंधन चार सौ सीट जीतेगा। हालांकि ये दोनों बातें अर्धसत्य की तरह हैं। लेकिन वह अलग विमर्श का मसला है। कुल मिला कर दो दिन की बैठक से देश को यह बताया गया कि मोदी के मुकाबले कोई नहीं है, वे देश की जरुरत हैं और उनका सत्ता में वापस लौटना तय है। वे लौटेंगे तभी भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और 2047 तक विकसित बन पाएगा।

सू- दोकू क्र. 90

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 89 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

राहुल का एजेंडा और भाजपा की तैयारी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले साल के विधानसभा चुनावों में उठाए अपने एजेंडे से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का फोकस पिछड़े, दलित और आदिवासियों के ऊपर रहा है। वे बार बार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत में शासन चलाने में इन समुदायों की क्या भूमिका है। इसे वे ऐसे तरीके से पूछ रहे हैं, जिसके लिए उनकी आलोचना भी हो रही है। जैसे उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर में पत्रकारों से पूछा कि उनके चैनल या अखबार का मालिक कौन है? क्या कोई दलित या पिछड़ा या आदिवासी मालिक है? इस दौरान उनसे सवाल पूछ रहे एक पत्रकार के साथ कांग्रेस के कुछ अति उत्साही कार्यकर्ताओं ने मारपीट भी की।

राहुल गांधी पत्रकारों से इसी तरह का सवाल एआईसीसी मुख्यालय में भी कर चुके हैं। उन्होंने पूछा था कि प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद कितने पत्रकार पिछड़ी जाति से या दलित समुदाय से हैं। तब भी इसकी आलोचना हुई थी। लेकिन वे इस मुद्दे को नहीं छोड़ रहे हैं। वे बता रहे हैं कि भारत सरकार ने 90 सचिवों में से सिर्फ तीन ओबीसी हैं। उन्होंने अब यह भी कहना शुरू किया है कि देश की बड़ी कंपनियों में किसी कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी या शीर्ष अधिकारी पिछड़े, दलित या आदिवासी समाज का नहीं है। अपनी बात को प्रमाणित करने के लिए राहुल यह भी पूछ रहे हैं कि राममंदिर के उद्घाटन में अंबानी, अडानी तो बुलाए गए लेकिन किसी पिछड़े, दलित या आदिवासी को क्यों नहीं बुलाया गया? इसके आगे वे जाति गणना कराने और आरक्षण बढ़ाने की जरुरत बता रहे हैं।

भाजपा को उनकी इस रणनीति के चलते नुकसान की आशंका सता रही है। जानकार सूत्रों का कहना है कि तभी भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति में कुछ बदलाव किया है। कहा जा रहा है कि भाजपा लोकसभा के चुनाव प्रचार में हर जगह सिर्फ मंदिर का मुद्दा नहीं उठाएगी। मंदिर के साथ साथ वह लाभार्थी का जिक्र करेगी। लेकिन उससे बड़ी बात यह बताई जा रही है कि भाजपा ने तय किया है कि दलित या आदिवासी बहुल इलाकों में मंदिर की बजाय सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र ज्यादा होगा। इसका मतलब है कि भाजपा को लग रहा है कि मंदिर का मुद्दा दलित और आदिवासी समुदाय में बहुत ज्यादा अपील नहीं करेगा। इसके उलट राहुल गांधी की बातें ज्यादा अपील कर सकती हैं। इसलिए भाजपा ने वैकल्पिक रणनीति तैयार की है। (आरएनएस)

केजरीवाल गिरफ्तार हुए तो क्या करेंगे ?

ऐसा लग रहा है कि केंद्रीय एजेंसियां सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी शराब नीति से जुड़े धनशोधन के कथित मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शिकंजा कस रही है। इसी तरह से झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ शिकंज कसा था और अंत में वे गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने इस्तीफा दिया और पार्टी के वरिष्ठ नेता चम्पई सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया, जिनको राज्यपाल ने बाद में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। अब सवाल है कि क्या अरविंद केजरीवाल को अगर ईडी गिरफ्तार करती है तो वे भी हेमंत सोरेन की तरह इस्तीफा देंगे या मुख्यमंत्री बने रहेंगे? उन्होंने ईडी के पहले या दूसरे समन के बाद ही दिल्ली के लोगों के बीच एक कथित जनमत संग्रह कराया था, जिसमें लोगों से पूछा गया था कि अगर केजरीवाल गिरफ्तार होते हैं तो उनको इस्तीफा देना चाहिए या नहीं? आम आदमी पार्टी के मुताबिक इस सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने कहा कि केजरीवाल को इस्तीफा नहीं देना चाहिए। उनको जेल से ही सरकार चलानी चाहिए। इस जनमत संग्रह से पहले ही सरकार कह चुकी है कि केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे। क्या वे सचमुच ऐसा कर सकते हैं? (आरएनएस)

'अतिथि देवो भवः' का उदाहरण पेश करती पुलिस

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एसएसबी के हरिद्वार आगमन पर आज पुलिस द्वारा उनका जोर शोर से उनका स्वागत किया गया।

आगामी लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने में जनपद पुलिस के सहयोग हेतु हरिद्वार पहुंची पैरा मिलिट्री फोर्स (एसएसबी) का आज हरिद्वार पुलिस द्वारा जवानों का फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उनके रहने, खाने पीने की भी उचित व्यवस्था करते हुए किसी भी समस्या के सामने आने पर मदद के लिए मोबाइल नम्बर दिए गए।

लूट के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार । महिला से सोने की चेन लूटने का प्रयास करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली गंगनहर में अवशेष त्यागी निवासी प्रीत विहार कॉलोनी रुड़की कोतवाली गंगनहर द्वारा अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन लूटने का प्रयास करने व विरोध करने पर उनके साथ मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए गठित पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक करते हुए आरोपी मोहम्मद कैफ पुत्र शेर अली निवासी तेलीवाला पाडली गुर्जर रुड़की को शक्ति विहार कॉलोनी रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते पर अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है।

शराब पिलाने पर दुकानदार गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। दुकान में शराब पिलाने पर पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने बाजार में छापा मारा तो वहां पर एक दुकानदार के द्वारा अपनी दुकान में लोगों को शराब पिलाते हुए पकड लिया। जिसके बाद पुलिस ने दुकान मालिक अभिजीत भण्डारी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बेरोजगारों ने किया मुख्यमंत्री आवास..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

भर्ती विज्ञापन जारी करें। उनका कहना था कि कोविड-19 महामारी के दौरान सेवाएं दे चुके कामगारों, बेरोजगारों को तत्काल पुन: नियुक्तियां प्रदान की जाये तथा माध्यमिक शिक्षक प्रवक्ता संवर्ग भर्ती परीक्षा में स्क्रीनिंग परीक्षा हटाकर विषय आधारित परीक्षा करायी जाए।

राधा रतूड़ी सीएस बनी रहेंगी, छह माह का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

रही थी और उस समय देश में चुनाव आचार संहिता लागू होगी। उनकी सेवा निवृत्ति के बाद इस पद पर किसी अन्य की नियुक्ति की प्रक्रिया थोड़ा उलझाऊ होती यही कारण है कि उनको 6 माह का सेवा विस्तार दिया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने पीएम को उनके सेवा विस्तार दिए जाने के लिए अनुरोध किया था जिसे पीएम ने मंजूरी दे दी है तथा इस आशय का आदेश गृह विभाग को मिल चुका है। वैसे भी मुख्य सचिव राधा रतूड़ी अपने कार्यकाल में अपने काम और ईमानदारी के लिए जानी जाती हैं उन्हें 10 साल का मुख्य निर्वाचन अधिकारी रहने का भी अनुभव है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनको दिया गया सेवा विस्तार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका लाभ चुनाव को निर्विघ्न और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में मिल सकेगा।

जिला व स्टेट कंट्रोल रुम को तत्काल एक्टिव कर ड्राई रन शुरु करें: पुरुषोत्तम

संवाददाता

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरूषोत्तम ने निर्देश दिए कि जिला और स्टेट कंट्रोल रूम को तत्काल एक्टिव करते हुए ड्राई रन शुरू कर दिया जाए।

आज यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने सचिवालय में सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए विभिन्न विभागों के स्टेट नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने सभी नोडल अधिकारियों को उनके विभाग से जुड़ी ड्यूटी को जिम्मेदारी के साथ पूरा करते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला और स्टेट कंट्रोल रूम को तत्काल एक्टिव करते हुए ड्राई रन शुरू कर दिया जाए। उन्होंने आबकारी विभाग व पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं प्रवर्तन कार्रवाई हेतु इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम पर नियमित रिपोर्ट अपलोड कर दी जाए, ईएसएमएस को लेकर लिए पुलिस कार्मिकों को थाना चौकी स्तर पर भी ट्रेन किया जाए इसके अलावा आबकारी विभाग के सर्किल इंस्पेक्टर्स को भी इस पोर्टल पर ऑनबोर्ड करते हुए लॉगइन आईडी तैयार कर दी जायें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आबकारी विभाग को जिला स्तर पर लिकर मॉनिटरिंग टीम एलएमटी का गठन कर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी स्टेट नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की है कि संबंधित विभागों के मतदान ड्यूटी में शामिल समस्त कार्मिकों का शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कर दिया जाए। उन्होंने विशेषकर मतदान ड्यूटी में तैनात समस्त कार्मिकों व समस्त वाहन चालकों को शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अफसर परिवहन विभाग को चुनाव ड्यूटी में तैनात वाहन चालकों के शत प्रतिशत मतदान को लेकर विस्तृत प्लान तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग से मतदानकर्मियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने को लेकर विस्तृत निर्देश दिये हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए की मतदान ड्यूटी में तैनात कार्मिक का प्राथमिक उपचार के लिए फर्स्ट एड किट समय से तैयार कर दी जाए। इसके अतिरिक्त आपातकाल परिस्थितियों के लिए एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नमामि बंसल, प्रताप शाह, सहायक निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास समेत विभिन्न विभागों के स्टेट नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

15 किलो गांजे सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक नशा तस्कर को 15 किलो गांजे सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सल्ट पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को मरचूला रोड गौलीखान तिराहे पर गौलीखान की तरफ से आ रही एक संदिग्ध अल्टो कार दिखायी दी। पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें दो कट्टो में रखा गया 15 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम रोहन कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी गोपीपुरा चांदपुर काशीपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बोर्ड एग्जाम देने निकला युवक पहुंच गया प्रेमिका के घर, संदिग्ध मौत

हमारे संवाददाता

सहारनपुर। बोर्ड के एग्जाम देने निकला युवक पहुंच गया अपनी प्रेमिका के घर। आरोप है कि जहां युवती के परिजनों द्वारा उसकी हत्या कर दी गयी है। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मामला जिले के सिटी कोतवाली क्षेत्र के मोरगंज इलाके का है। जहां 12वीं के छात्र उज्जवल शर्मा का शव एक युवती के घर के बाहर पड़ा मिला। मृतक छात्र के परिजनों ने शक जताया कि युवती के परिवारवालों ने ही उज्ज्वल की गुप्तांग दबाकर हत्या कर दी। वहीं जिस युवती के घर के बाहर उज्जवल का शव मिला, वो भी संदिग्ध हालात में अस्पताल में भर्ती है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद युवती ने भी जहर खा लिया था। युवती का इलाज एक प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है। फिलहाल पुलिस ने मृतक छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी. बता दें कि सिटी कोतवाली क्षेत्र के राधा विहार निवासी उज्ज्वल शर्मा 12वीं का छात्र था। उज्जवल उत्तराखंड के रुड़की में पढ़ाई करता थां। गुरुवार को उज्ज्वल बोर्ड एग्जाम देने रुड़की गया था। एग्जाम देने के बाद जब वह घर नही पंहुचा तो परिजनों ने उसके फोन पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उज्जवल का फोन लगातार बंद आ रहा था। बीच में एक दो बार उज्जवल का फोन ऑन भी हुआ, लेकिन उज्जवल से बात नहीं हो पाई. परेशान परिजनों ने उज्जवल के दोस्तों से संपर्क किया। जिन्होने बताया कि हमें पता है कि वह कहां गया होगा। दोस्त उसके परिजनों को लेकर मोरगंज पहुंच गए, जहां पर एक घर के बाहर उज्जवल जमीन पर पड़ा हुआ था। उसके कपड़े भी फटे हुए थे। परिजनों ने जब उज्जवल को इस हालत में देखा तो उनके पांव के तले से जमीन खिसक गई तुरंत उज्जवल को लेकर परिजन और दोस्त अस्पताल गए, जहां पर डॉक्टर ने उज्जवल को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि उज्जवल घर के अंदर रहने वाली एक युवती से मिलने गया था, तभी युवती के परिजनों ने उज्जवल के गुप्तांग को दबाकर हत्या कर दी। उज्जवल के शरीर पर कहीं कोई चोट के निशान नहीं थे। डॉक्टर भी कह रहे हैं कि उज्जवल के गुप्तांग दबाए गए थे। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक नजर

अलका लांबा ने बलात्कारियों को नपुंसक बनाने वाले कानून की वकालत की

ग्वालियर। कांग्रेस की महिला शाखा की प्रमुख अलका लांबा ने बलात्कारियों को नपुंसक बनाने वाले कानून की वकालत की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि महिलाओं, विशेषकर लड़कियों के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं और ये अनियंत्रित हो रहे हैं क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े नेता, मंत्री और सांसद इनमें शामिल हैं। उन्होंने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकारें (केंद्र और राज्य में) उन्हें बचा रही हैं। इन सरकारों को दो से तीन महीने में नाबालिग पीड़ितों से जुड़े बलात्कार के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक और विशेष अदालतें स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने कहा,'दोषियों को फांसी दी जानी चाहिए। उन्हें नपुंसक बनाने के लिए एक कानून बनाया जाना चाहिए। जब तक अपराधियों में भय पैदा नहीं होगा, अपराध होते रहेंगे। कांग्रेस बलात्कार पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम करेगी, जबकि भाजपा महिलाओं के लिए घड़ियाली आंसू बहाती है। लांबा ने दावा किया कि भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई)के पूर्व प्रमुख बृजभूषण सिंह पर कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है लेकिन वह खुलेआम घूम रहे हैं जबकि पीड़ित न्याय मांग रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संदेशखालि के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है लेकिन बृजभूषण के साथ 'अति विशिष्ठ व्यक्ति की तरह व्यवहार' किया जा रहा है। विवादास्पद तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां को पिछले महीने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने 28 फरवरी की रात गिरफ्तार कर लिया है।

दो बाइक की टक्कर में चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जशपुर में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में चार लोगों की जान चली गई। उन्होंने बताया कि घटना शुक्रवार देर शाम तुमला इलाके के गोंझियाडीह गांव के पास हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, दो मोटरसाइकिलों पर कुल छह लोग यात्रा कर रहे थे, तभी विपरीत दिशाओं से आ रहे ये वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। उन्होंने कहा, तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए थे। तीन घायलों में से एक ने कोतबा के एक सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से तीन की पहचान गोंझियाडीह गांव के चंदन नायक, खगेश्वर धोबी और पास के कोल्हेझरिया गांव के उमाशंकर के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि शेष दो घायलों में से एक को रायगढ़ के अस्पताल में रेफर किया गया है, जबकि दूसरे को जशपुर के फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि दोनों दोपहिया वाहन तेज गति में थे। हालांकि, दुर्घटना की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान किया

नई दिल्ली। बीजेपी से दिल्ली के सांसद पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान किया है। गौतम साल 2019 में बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़े। गौतम ने ईस्ट दिल्ली से बीजेपी की टिकट पर चुनाव जीता। गौतम ने राजनीति में प्रवेश करने के दौरान कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली से काफी प्रभावित हैं। इसलिए वह दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले गौतम का अचानक आया यह ट्वीट चौंकाने वाला है। एक तरफ जहां बीजेपी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने वाली है। वहीं, दूसरी तरफ शनिवार को गौतम गंभीर ने ट्वीट कर राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने ट्वीट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को टैग कर लिखा कि कृपा मुझे मेरी राजनीति की ड्यूटी से रिलीव कर दीजिए। ताकि मैं अपनी आगामी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। गौतम गंभीर ने पीएम मोदी और अमित शाह को धन्यवाद भी किया है,उन्हें मौका देने के लिए। मीडिया गलियारों में यह चर्चा है कि ईस्ट दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर को बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व दोबारा लोकसभा का टिकट नहीं देना चाहते हैं। इस बात की आशंका गौतम गंभीर को भी रही। इसलिए वह बीजेपी के टिकट घोषणा से पहले ही राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान कर दिया।

मुख्यमंत्री ने 27 डिप्टी जेलरों तथा 285 बंदी रक्षकों को दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 27 डिप्टी जेलरों व 285 बंदी रक्षों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग के अंतर्गत लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 27 डिप्टी जेलरों तथा 285 बंदी रक्षकों को नियुक्ति -पत्र वितरित किये। इस प्रकार आज कुल 312 अभ्यर्थियों को नियुक्ति -पत्र प्रदान किये गये। मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं तथा बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन आप सभी के लिए काफी खुशी का दिन है, क्योंकि कड़ी मेहनत व परिश्रम के बाद आप इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आप पहले दिन से ही अपने लिए नियम निर्धारित कर लें कि आपको पद के अनुरूप जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन आप पूर्ण जिम्मेदारी से करेंगे।

उन्होंने कहा कि नवाचार को धरातल पर उतारने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है, उसी के अनुरूप हम सबको पग-पग पर, जिसको भी जो भी जिम्मेदारी मिली है, उसको पूर्ण मनोयोग से पूरा करना सुनिश्चित करते हुए, अपनी -अपनी सहभागिता निभाते हुए, देश तथा राज्य को आगे बढ़ाएंगे।

इस अवसर पर सचिव गृह शैलेश बगोली, अपर सचिव गृह अतर सिंह, महानिदेशक कारागार सुश्री विमला गुंजयाल, उप महानिरीक्षक कारागार दधि राम, सहायक महानिरीक्षक कारागार यशवंत सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मचारी ने धोखे से निकाले 23 लाख 70 हजार रुपये

देहरादून (सं)। धोखे से 23 लाख 70 हजार रूपये निकाल कर कर्मचारी फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवाली निवासी राहुल अग्रवाल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका अग्रवाल इन्टरप्राईजेज नाम से जी एम एस रोड कांवली गांव मे सर्जिकल कार्य का आफिस है। उसके आफिस मे स्वागतम पात्रा पुत्र सन्तोष कुमार पात्रा निवासी समर पार्क नियानिया इन्दौर मध्य प्रदेश हाल पता कावली गांव देहरादून नाम का व्यक्ति पिछले 8 महीने से कार्य करता था आज ` दोपहर 2 बजे के आसपास उसने अपना फोन सेमसंग मोबाइल फोन एन्टी वाईरस डालने के लिये स्वागतम पात्रा को दिया ओर स्वागतम को आफिस की स्कूटी दी फिर दोपहर ढाई बजे उसको पता चला की स्वागतम ने उसके खाते से अपने खाते मे जिसका चार लाख अस्सी हजार की चार ट्रासजेक्सन व चार लाख पचास हजार का ट्रासजेक्सन की है जिसकी क कुल धनराशि तेईस लाख 70 हजार रुपये अपने खाते मे डाल दिये। अब उसका मोबाईल फोन तब से बन्द चल रहा है। स्वागतम ने धोखाधड़ी से यह धनराशि अपने खाते मे डलवाइ है। उसके फोन मे नेट बैंकिग के जरिये स्वागतम ने यह कृत्य किया है।

स्कूटी चोरी

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी अभिषेक मिश्रा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से पुष्प कुंज अजबपुर गया था। उसने अपनी स्कूटी एक मकान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी।

दस लाख की प्रतिबन्धित लकड़ी सहित चार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। प्रतिबन्धित लकड़ी की तस्करी कर रहे चार लोगों को पुलिस ने कल देर रात गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से दस लाख की लकड़ी व तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना नरेन्द्रनगर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ वन तस्कर वन सम्पदा की तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चौकी जाजल के समीप एक संदिग्ध बुलेरो वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया गया तो वाहन में सवार लोग भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें रखी काजल की लकड़ी के 101 गुटके बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम कृष्ण पुत्र सिंध शाही निवासी ग्राम गंगी थाना घनसाली जिला टिहरी गढ़वाल, दिल बहादुर पुत्र मान सिंह निवासी ग्राम गोठी जिला हुंगला नेपाल, राजेंद्र बहादुर पुत्र गोकन शाही निवासी ग्राम सुबोकालिया जिला कालीकोट नेपाल व लंकराज शाही पुत्र पुरोमल शाही बताया।

बताया कि उक्त लकड़ी के गुटके जिन्हें हमने गंगी घनसाली के जंगल से काटे है और हम इन्हें बेचने के लिए सहारनपुर उत्तर-प्रदेश ले जा रहे थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे अग्रिम कार्यवाही हेतू वन विभाग की सुपुर्दगी में दे दिया है। बरामद लकड़ी की कीमत दस लाख रूपये आंकी जा रही है।

बिजली चोरी में चार के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी उपसंस्थान गणेशपुर के अवर अभियंता रेनू सिंह ने पटेलनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने बडा चौक मेहूंवाला में रिहान पुत्र इकबाल, गुडडू, जावेद पुत्र इकबाल व राशिद पुत्र हसीन अहमद के घर पर छापा मारा तो वहां पर एलटी लाइन पर अतिरिक्त केबल जोडकर विद्युत चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।